कोयला और पेट्रोलियम Class 8 Science Chapter 3 Notes in Hindi

प्राकृतिक संसाधन- वे संसाधन जो हमें प्रकृति से मिलते हैं उन्हें हम प्राकृतिक संसाधन कहते हैं। प्राकृतिक संसाधन मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं।

1. **अक्षय प्राकृतिक संसाधन** – यह प्राकृतिक संसाधन असीमित मात्रा में है और कभी खत्म नहीं होंगे। उदाहरण:- सूर्य का प्रकाश, वायु।
2. **समाप्त होने वाले प्राकृतिक संसाधन** – यह प्राकृतिक संसाधन निरंतर प्रयोग से खत्म हो जाएंगे। उदाहरण:- कोयला, पेट्रोलियम, खनिज लवण, प्राकृतिक गैस।

कोयला–

कोयला पत्थर जैसा कठोर और काले रंग का होता है। इसका प्रयोग खाना बनाने में प्रयोग होने वाले ईंधन के रूप में किया जाता है। शुरुआती दौर में इससे रेल के इंजन चलाए जाते थे। कोयले का उपयोग विद्युत बनाने हेतु भी किया जाता है।

कोयले की कहानी–

आज से लाखों करोड़ों साल पहले पृथ्वी पर एक उल्का गिरने से सभी जीव जंतु और पेड़ पौधे खत्म हो गए। समय बीतने के साथ वह नीचे दबते चले गए। अधिक दबाव होने की वजह से सारे पेड़ पौधे कोयले में परिवर्तित हो गए। पेड़ पौधों से कोयले में परिवर्तन होने की प्रक्रिया को **कार्बनीकरण** कहते हैं।

कोयले के उत्पाद–

कोयले को गर्म पर उसमें से बहुत सारी चीजें बाहर निकलती है।

- **कोक-** यह काले रंग का एक कठोर पदार्थ होता है। यह कार्बन का लगभग शुद्ध रूप है। को का प्रयोग इस्पात बनाने हेतु किया जाता है।
- **कोलतार-** यह एक गाढा द्रव्य होता है। इसका प्रयोग सड़क निर्माण हेतु किया जाता है।
- **कोयला गैस-** कोयले के प्रक्रमण में कोक बनाते समय कोयला गैस हमें मिलती है। इसका प्रयोग इंधन के रूप में किया जाता है।

पेट्रोलियम –

आधुनिक समय में इंधन के रूप में वाहनों में जो पदार्थ प्रयोग किया जाता है। वह हमें पेट्रोलियम से प्राप्त होता है। पेट्रोलियम एक गाढा द्रव्य होता है। पेट्रोलियम निकालते समय इसमें से हमें प्राकृतिक गैस मिलती है। जो जमीन के अंदर पेट्रोलियम से ऊपर पाई जाती हैं।

पेट्रोलियम की कहानी-

https://www.evidyarthi.in

आज से लगभग 300 करोड़ साल पहले पृथ्वी पर एक उल्का गिरने से पृथ्वी की सारी वनस्पति और जीव-जंतु मारे गए। जो जानवर मरे, वह समय बीतने के साथ जमीन के नीचे दबते चले गए। उच्च दाब और उच्च ताप की वजह से वे जानवर पेट्रोलियम में बदल गए।

पेट्रोलियम का परिष्करण—

पेट्रोलियम एक गहरे रंग का तेलीय द्रव है। इसे हमें बहुत सारी चीजें मिलती है। जैसे- डीजल, पेट्रोल, मोम, पेट्रोलियम गैस, स्नेहक इत्यादि। पेट्रोलियम से सभी चीजों को अलग करने की प्रक्रिया को परिष्करण कहते हैं।

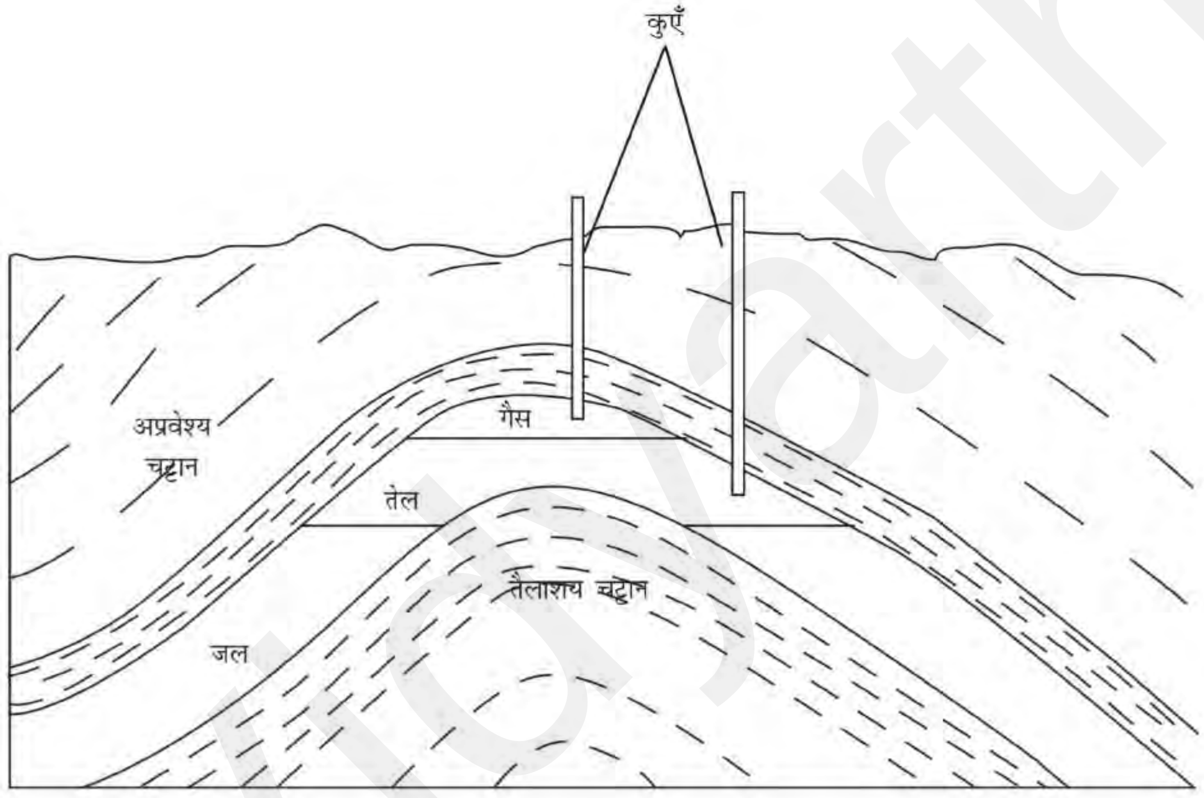

प्राकृतिक गैस- प्राकृतिक गैस एक महत्वपूर्ण जीवाश्म ईंधन है। इसका प्रयोग वाहनों में किया जाता है। प्राकृतिक गैस को उच्च दाब पर दबाया जाता है। इसके बाद इसको वाहनों में प्रयोग में लाया जाता है। जिसे हम CNG संपीड़ित प्राकृतिक गैस के नाम से जानते हैं।

https://www.evidyarthi.in